पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade-VI

HINDI

SPECIMEN COPY

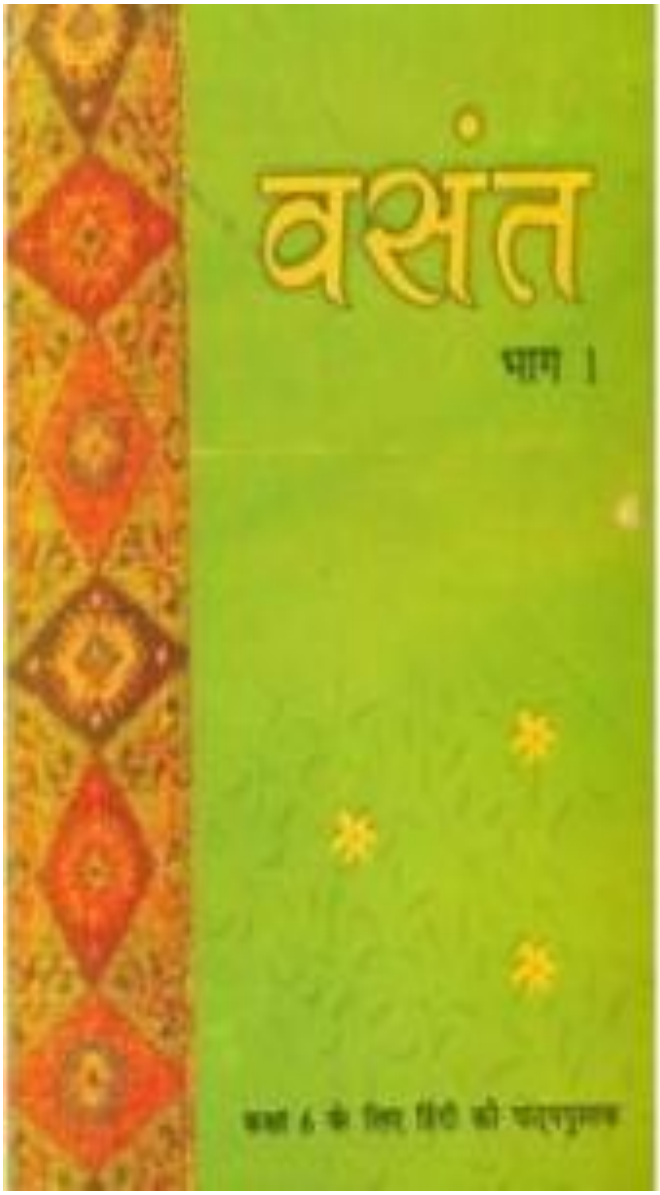
वसंत
भाग 1
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

बाल रामकथा
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पूरक पाठ्यपुस्तक

कमांक	महीना	पाठ के नाम	पृष्ठ ना0
1	अपल	अ-पाठ-1-वो चिड़िया जो----	

		ब-व्याकरण-भाषा, लिपि, व्याकरण	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-2-बचपन	
		ब-व्याकरण-वर्ण-विचार	
		क-लेखन भाग-निबंध	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-1-अवधपुरी में राम	
		पाठ-2-जंगल और जनकपुर	
2	जून	अ-पाठ-3-नादान	
		ब-व्याकरण-संज्ञा	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-4-चाँद से थोडी-सी बातें	
		ब-व्याकरण-सर्वनाम	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-3-दो वरदान	
		पाठ-4-राम का वन गमन	
3	जुलाई	अ-पाठ-5-अक्षरों का महत्व	
		ब-व्याकरण-विषेशण	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-6-पार नजर के	
		ब-व्याकरण-क्रिया	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
4	अगस्त	अ-पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)	
		ब-व्याकरण-काल	

		क-लेखन भाग-सूचना	
		ग-गतिविधि	
5	सितंबर	अ-पाठ-8-ऐसे-ऐसे	
		ब-व्याकरण-लिंग	
		क-लेखन भाग-संवाद	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-5-चित्रकूट में भरत	
		पाठ-6-दंडक वन में राम	

पाठ-1 वो चिड़िया जो (कविता)

(लेखक-श्री केदारनाथ अग्रवाल)

(वो चिड़िया जो--------------------से बहुत प्यार है।)

शब्दार्थ -

1) दूध-भरे-कच्चे, अधपके, मीठे

2) जुंडी - ज्वार

3) रूची से - खुशी से

4) रस से - रस लेकर , स्वाद लेकर

5) संतोषी - संतोष करने वाली

6) रस उँडेलकर - मधुर, मानो शहद घोलकर

7) मुँह बोली - प्यारी

8) विजन - निर्जन स्थान, एकांत

9) जल का मोती-पानी की बूँद

10) गरबीली - स्वाभिमानी

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) चिड़िया को किससे प्यार है?

-चिड़िया को विजन से प्यार है।

2) चिड़िया के पंख कैसे है?

-चिड़िया के पंख नीले है।

3) चिड़िया रुचि से क्या खाती है?

-चिड़िया रुचि-से दूध भरे ज़ुंडी के दाने खाती है?

4) चिड़िया किसके लिए गाती है?

-चिड़िया बूढ़े वन बाबा के लिए गाती है।

5) चिड़िया जल का मोती कैसे लाती है?

-चिड़िया जल का मोती चोंच मलाती है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6) चिड़िया को गरबीली क्यों कहा गया है?

उ-चिड़िया जल से भरी उफनती नदी के बीच से भी पानी की बूंदों को चोंच से भरकर ले आती है।यह साहसिक काम के कारण चिड़िया को गरबीली कहा गया है।

7) चिड़िया खाने मेंक्या पसंद काती है?

उ- चिड़िया खाने में दूध भरे ज्वार के दाने पसंद करती है।

8) कविता मे कैसी चिड़िया का वर्णन किया गया है?

उ- कविता में छोटी नीले पंखो वाली चिड़िया का वर्णन है जो संतोषी और साहसी है। उसे स्वछंदता से घूमना बहुत पसंद है।

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

9) इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उ-चिड़िया जिन चीज़ों से प्यार करती है वो इस प्रकारहैं-

चिड़िया को खेतों में लगे जौ-बाजरे की फलियों से प्यार है।उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ वह खुली हवा में गाना गा सकती है, से प्यार है।उसे नदी से प्यार है जिस का ठंडा और मीठा पानी वह पीती है।यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं।इसलिए वह इन सब से प्यार करती है।

10) कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उ- चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभाव की है।अतः कवि उसे संतोषी कहता है।चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्यों कि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलता पूर्वक कर जाती है।यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

(व्याकरण)

भाषा, लिपि और व्याकरण

भाषा-भाषा वह साधन है जिस के माध्यम से हम सोचते हैं और अपने मन के भावों विचारों को व्यक्त करते हैं।

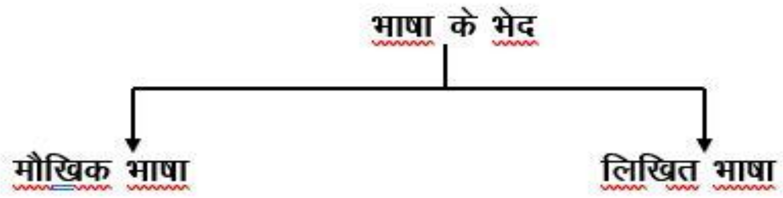

मौखिक भाषा→ जब हम अपने मन के भावों को बोलकर प्रकट करते हैं तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

लिखित भाषा→ जब हम अपन विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं तो उसे हम लिखित भाषा कहते हैं।

राजस्थान - राजस्थानी, मारवाड़ी

बोली-भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहते है।

लिपि-भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता हैं।

जैसे -हिन्दी- देवनागरी

अंग्रेज - रोमनलिपि

उर्दू - फ़ारसी

पंजाबी - गुरुमुखीलिपि

व्याकारण- जिस शास्त्र से भाषा के शदध रूप और प्रयोग का ज्ञान होता है, उसे व्याकरण कहते हैं।

लेखन-भाग

दीदी या बहन की शादी पर अवकाश के लिए आवेदन पत्र या प्रार्थना पत्र।

सेवामें,

प्रधानाचार्यमोहदय,
डी.ए.वी. स्कूल,
रामनगर दिल्ली

विषय- बहन की शादी के लिए अवकाश प्रदान हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय के कक्षा 6वीं का विद्यार्थी हूँ। मेरे घर में मेरी बहन की शादी है। जिसकी दिनांक ऋ्रएक्षधएऋष और ऋऋएक्षधएऋष निश्चित हुईहै, मैं अपने पिता का इकलौता पुत्र हूँ, अतःशादी में बहुत से कार्यों में मेरा होना अति आवश्यक है।इसी कारण मुझे एष्रएक्षधएऋष से ऋध्रएक्षधएऋष तक का अवकाश चाहिए।
अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें, इसके लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम ꝏ स्वाधीनशर्मा
कक्षा ꝏ ऋएवीं
रोलनंबर ꝏ टथ
दिनांक ꝏ एछएक्षधएऋष

गतिविधि- चिड़िया का चित्र बनाकर रंग भरो।

पाठ-2 बचपन

(लेखिका-कृष्णा सोबती)

शब्दार्थ-

1) शताब्दी-सौ वर्ष

2) दशक-दस वर्ष

3) पोशाक-वेशभूषा

4) फ्रिल-झालर

5) निरा-केवल

6) कमतर-लघुतर,ज्यादा छोटा

7) कोलाहल-शोर

8) सहल-आसान

9) सुभीतेवाली-आरामदायक

10) खीजना-कोध करना

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) इस संस्मरण में लेखिका किसकी चर्चा कर रही हैं?

- इस संस्मरण में लेखिका अपन बचपन की चर्चा कर रही हैं।

2) लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

-20वीं सदी में।

3) लेखिका को सप्ताह में कितने दिन चॉकलेट खरीदने की छूट थी?

- लेखिका को सप्ताह में एक दिन चॉकलेट खरीदने की छूट थी।

4) दुकान मेंकिस ट्रेन का मॉडल था?

- दुकान में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल था।

5) हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पडता था?

- हर शनिवार को लेखिका को आलिव ऑयल और कैस्टर ऑयल पीना पडता था।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6)लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तरः- लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी। उसके बाद अपने जूते पॉलिश करके चमकाती थी। इतवार की सुबह इसी काम में लगाती थी।

7) लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीज़े मज़ा ले-लेकर खाती थीं?उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उत्तरः- लेखिका बचपन में चाकलेट और चने जोर गरम और अनारदाने का चूर्ण मज़ाले-लेकर खातीथीं ।रसभरी, कसमल और काफ़ल उनके प्रिय फल **थे।**

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

ऋ)उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका में क्या-क्या बदलाव हुए हैं?पाठ से मालूम करके लिखो।

उत्तरः- उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में भी काफी बदलाव आए।पहले वे रंग-बिरंगे कपडे पहनती रही नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी।अब गहरे नहीं, हलके रंग पहनने लगी। पहले वे फ्रॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे परंतु अब चूडीदार और घेरदार कुर्ते पहनने लगी। उम्र बढ़ने के साथ खाने में भी काफ़ी बदलाव आए।

2)'तुम्हेंबताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी।'यह कहकर लेखिका क्या-क्या बताती है?
उत्तर- उन दिनों मनोरंजन के लिए कुछ घरों में ग्रामोफोन थे परंतु उसके स्थान पर आज हर घर में रेडियो और टेलीविजन देखने मिलता है। कुलफ़ी की जगह आइसक्रीम ने लेली है। कचौड़ी-समोसा पैटीज में बदल गया है।शहतूत,फ़ाल्से और खसखस के शरबत का स्थान कोक-पेप्सी ने ले लिया है।

(व्याकरण)

वर्ण-विचार

वर्ण अक्षर-भाषा की सबसे छोटी इकाई, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वह वर्ण कहलाती है।
जैसे→अ, र, क्, म्, च् आदि

वर्ण/अक्षर-भाषा की सबसे छोटी इकाई,जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते,वह वर्ण कहलाते

वर्णमाला→ वर्णों का व्यवस्थित क्रम वर्णमाला कहलाता है।
→हिंदी वर्णमाला में कुल ग्यारह वर्णहै।

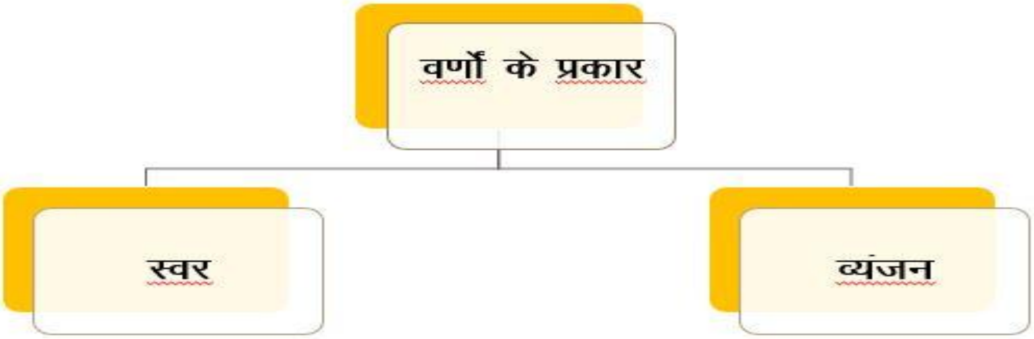
वर्णों के प्रकार
स्वर
व्यंजन

Svr-जिनवर्णोंकेउच्चारणमेंदूसरेवर्णोंकीसहायतानहींलेनीपड़ती, वेस्वरकहलातेहैं।

→ स्वरोंकीसंख्या 11 होतीहै।

→ ‟अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ”।

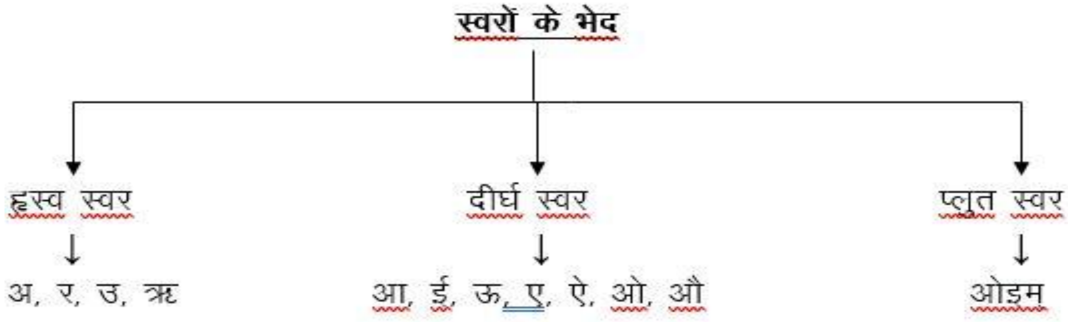
स्वरों के भेद
ह्रस्व स्वर
अ, र, उ, ऋ
दीर्घ स्वर
आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
प्लुत स्वर
ओऽम

मात्रा→स्वरोंकेनिर्धारितचिह्नहोतेहैं, जोव्यंजनोंकेसाथजुड़करउनकास्वरूपबदलदेतेहैं, येचिह्नमात्राएँकहलातेहैं।

व्यंजन-जोध्वनियाँस्वरोंकीसहायतासेबोलीजातीहै।उन्हेंव्यंजनकहतेहैं।

जैसे ꝏ क रु क् रू अ

लेखन-भाग

दीपावली का निबंध

दिवाली के इस विशेष त्योहार के लिए हिंदू धर्म के लोग बहुत उत्सुकता से इंतजार करते हैं।यह बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए हर किसी का सब से महत्वपूर्ण और पसंदीदा त्यौहार है। दीवाली भारत का सब से महत्वपूर्ण और मशहूर त्यौहार है।जो पूरे देश में साथ-साथ हर साल मनाया जाता है।रावण को पराजित करने के बाद, 14 साल के निर्वासन के लंबे समय के बाद भगवान राम अपने राज्य अयोध्या में लौटे थे।लोग आज भी इस दिन

को बहुत उत्साहजनक तरीके से मनाते हैं।भगवान राम के लौटने वाले दिन, अयोध्याकेलोगोंनेअपनेघरोंऔरमार्गोंकोबड़ेउत्साहकेसाथअपनेभगवानकास्वागतकरनेकेलिएप्रकाशितकियाथा।यहएकपवित्रहिंदूत्यौहारहैजोबुरेपनपरअच्छाईकीजीतकाप्रतीकहै।यहसिखोंद्वाराभीमुगलसम्राटजहांगीरद्वाराग्वालियरजेलसेअपने 6 वेंगुरु, श्रीहरगोबिंदजीकीरिहाईमनानेकेलिएमनायाजाताहै।

इसदिनबाजारोंकोएकदुल्हनकीतरहरोशनीसेसजायाजाताहैताकिवहइससेएकअद्भुतत्यौहारदिखसके।इसदिनबाजारबड़ीभीड़सेभराहोताहै, विशेषरूपसेमीठाईकीदुकानें।बच्चोंकोबाजारसेनएकपड़े, पटाखे, मिठाई, उपहार, मोमबत्तियांऔरखिलौनेमिलतेहैं।लोगअपनेघरोंकोसाफकरतेहैंऔरत्योहारकेकुछदिनपहलेरोशनीसेसजातेहैं।हिन्दूकैलेंडरकेअनुसारसूर्यास्तकेबादलोगदेवीलक्ष्मीऔरभगवानगणेशकीपूजाकरतेहैं।वेअधिकआशीर्वाद, स्वास्थ्य, धनऔरउज्जवलभविष्यपानेकेलिएभगवानऔरदेवीसेप्रार्थनाकरतेहैं।वेदिवालीत्यौहारकेसभीपांचदिनोंमेंखाद्यपदार्थोंऔरमिठाईकेस्वादिष्टव्यंजनबनातेहैं।लोगइसदिनपासा, कार्डगेमऔरकईअन्यप्रकारकेखेलखेलतेहैं।वेअच्छीगतिविधियोंकेकरीबआतेहैंऔरबुरीआदतोंकोदूरकरतेहैं।

पहलेदिनधनतेरसयाधन्त्रावदाशीकेरूपमेंजानाजाताहैजिसेदेवीलक्ष्मीकीपूजाकरकेमनायाजाताहै।लोगदेवीकोखुशकरनेकेलिएआरती, भक्तिगीतऔरमंत्रगातेहैं।दूसरेदिननरकाचतुर्दशीयाछोटीदिवालीकेरूपमेंजानाजाताहैजिसेभगवानकृष्णकीपूजाकरकेमनायाजाताहैक्योंकिउन्होंनेराक्षसराजानारकसुरकोमारडालाथा। तीसरेदिनमुख्यदिवालीदिवसकेरूपमेंजानाजाताहैजिसेशामकोरिश्तेदारों, दोस्तों, पड़ोसियोंऔरजलतीहुईफायरक्रैकर्सकेबीचमिठाईऔरउपहारवितरितकरतेहुएदेवीलक्ष्मीकीपूजाकरकेमनायाजाताहै।चौथेदिनभगवानकृष्णकीपूजाकरकेगोवर्धनपूजाकेरूपमेंजानाजाताहै।लोगअपनेदरवाजेपरपूजाकरकेगोबरकेगोवर्धनबनातेहैं।पांचवेंदिनयमद्वितियायाभाईदौजकेरूपमेंजानाजाताहैजिसेभाइयोंऔरबहनोंद्वारामनायाजाताहै।बहनोंनेअपनेभाइयोंकोभाईदौजकेत्यौहारकाजश्नमनानेकेलिएआमंत्रितकरतीहैं।

दीवालीकेत्यौहारकोबुरेपरअच्छाईकीजीतकाप्रतीकभीमानाजाताहै।भारतकीनहींबल्किऔरभीकईदेशोंमेंदीवालीकात्यौहारबहुतकीधूमधामसेमनायाजाताहै।

गतिविधि-अपने जमाने की खाने की कुछ चीजें बनाओ और रंग भरो।

पाठ-3 नादान

(लेखक-प्रेमचंद)

शब्दार्थ-

1) कार्निस-दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग

2) दशक - दस वर्ष

3) सुध- याद,होश

4) तसल्ली- दिलासा,ढाढ़स

5) अनुमान- अंदाजा

6) प्रस्ताव-सुझाव

7) पेचीदा-मुश्किल

8) सूराख- छेद

9) थामना-पकड़ना

10) हिफ़ाजत- सुरक्षा

अ- अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) केशव और उसकी बहन सुबह-सुबह आँखे मलते हुए कहाँ पहुँच जाते थे?

उ-केशव और उसकी बहन सुबह-सुबह आँखे मलते हुए कार्निस के सामने पहुँच जाते थे?

2) श्यामा मटके से क्या निकालकर लाई थी?

उ- श्यामा मटके से पानी निकालकर लाई थी।

3) कार्निस के ऊपर कितने अंडे थे?

उ-कार्निस के ऊपर तीन अंडे थे?

4) केशव ने किसे पालने की योजना बनाई थी?

उ- केशव ने चिड़ा और चिड़िया के बच्चे पालने की योजना बनाई थी?

5) केशव कभी-कभी क्या याद करके रोता था।

उ- अंडों की हिफ़ाजत करने के जोग में उसने उनका सत्यानाश कर डाला। इसे कभी-कभी याद करके वह रोता था।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6) केशव और श्यामा के मन मेंचिड़िया के अंडों को लेकर किस-किस प्रकार के प्रश्न उठते थे?

उ-केशव और श्यामा के मन में अंडों को लेकर अनेक प्रश्न उठते थे जैसे कि अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे?उनमें से बच्चे किस तरह आएँगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है?क्योंकि वे अंडोंके बारे में जानना चाहते थे।

7) केशव ने श्याम से चिथड़े,टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उ- जब केशव ने देखा कि अंडें कुछ तिनको पर रखे है तो उसने चिथड़े बिछाकर उस पर अंडें रख दिए।टहनी से टोकरी

8) प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा।तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उ-मैं इस काहानी में वर्णित बचपन की नादानियों को देखते हुए इसका नाम 'बचपन की नादानियाँ' रखना चाहुँगा।

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

9) पाठ के अधार पर बताओ कि अंड गंदे क्योंहुए और उन अंडों का क्या हुआ?

उ-केशव के छुने से चिडिया के अंडे गंदे हो गए।किसी के हाथ लगाए अंडोंको चिड़िया नही सेती। चिड़िया अंडों को घोंसले से गिरा देती है और इस तरह अंडे बर्बाद हो जाते हैं।

10) केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडोंकी देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?

उ- केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा-

1-अराम के लिए कपड़ा बिछाया।

2-धूप से बचाने के लिए टोकरी से ढक दिया।

3-पास मेंदाना और पानी की प्याली भी रखी।

व्याकरण

(संज्ञा)-किसी व्यक्ति,वस्तु,स्थान,प्राणी और भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेद-

1-व्यक्तिवाचक संज्ञा-केदारनाथ, ताजमहल, रानायण,चेतक(घोड़ा)।

2-जातिवाचक संज्ञा-पुस्तक,दीवार,लड़का,देश,नगर,मछली।

3-भाववाचक संज्ञा-मिठास,बचपन,पढ़ाई,हँसी।

लेखन-भाग

अनुच्छेद- समय किसी के लिए नहीं रुकता

'समय' निरंतर बीतता रहता है, कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। जो व्यक्ति समय के मोलको पहचानता है, वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है।समय बीतजा ने पर किए गए कार्य का कोई फल प्राप्त नहीं होता और पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ हाथ नहीं आता। जो विद्यार्थी सुबह समय पर उठता है, अपने दैनिक कार्य समय पर करता है तथा समय पर सोता है, वही आगे चलकर सफल व उन्नतव्यक्ति बन पाता है।जो व्यक्ति आलस में आक रसमय गँवा देता है, उसका भविष्य अंधकार मय हो जाता है।संत कवि कबीरदास जी ने भी अपने दोहे में कहा है -

''कालकरैसोआजकर, आजकरैसोअब।
पलमेंपरलैहोइगी, बहुरिकरेगाकब।।''

समय का एक-एक पल बहुत मूल्यवान है और बीता हुआ पल वापस लौट कर नहीं आता। इसलिए समय का महत्व पहचानकर प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूपसे अध्ययन करना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करनी चाहिए। जो समय बीत गया उस पर वर्तमान समय में सोचकर और अधिक समय बरबाद न करके आगे अपने कार्य पर विचारकर-लेनाही बुद्धिमानी है।

गतिविधि-घोंसला और चिड़िया का चित्र बनाकर रग भरो।

पाठ-4 चाँद से थोड़ी-सी बातें(कविता)

(लेखक-श्री शमशेर बहादुर सिंह)

शब्दार्थ-

1) गोरा-चिटटा-बहुत सफ़ेद

2) पोशाक- वेशभूषा

3) गोकि-चूँकि

4) निरा-एकदम

5) दम लेना-विश्राम करना

6) गोल हो जाना-गायब हो जाना

7) मरज़-रोग ,बीमारी

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ-श्री शमशेर बहादुर सिंह।

2) कौन गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है?

उ- चाँद गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है।

3) कौन क्या पहने हुए है?

उ- चाँद कुल अकाश पहने हुए है।

4) चाँद का मुँह कैसा ह?

उ-चाँद का मुँह गोरा-चिटठा है।

5) किसकी पोशाक कहाँ फैली है?

उ- चाँद की पोशाक चारों सिम्त में फैली हुई है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

১ कविता में 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तरः- कवितामें 'आपपहनेहुएहैंकुलआकाश' कह करलड़की कहना चाहती
है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

2-यह मरज़' आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।'

৩-कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकिजबयेघटतेहैंतोकेवलघटतेहीचलेजातेहैंऔरजबबढ़तेहैंतोबिनारूकेदिनप्रतिदिननिरन्तरबढ़तेहीचलेजातेहैं।तब-तक, जब-तकयेपूरेगोलनहोजाए।कविकीनज़रमेंयेसामान्यक्रियानहींहै।

৪-'हमकोबुद्धूहीनिरासमझाहै ৬' कहकरलड़कीक्याकहनाचाहतीहै?

उत्तरः- 'हमकोबुद्धूहीनिरासमझाहै ৬
कहकरलड़कीकहनाचाहतीहैकिउसेपताहैकिचाँदकोकोईबीमारीहैजोठीकहोनेकानामनहींलेरहीहै।इसबीमारीकेकारणकभीवेघटतेजातेहैंतोकभीबढ़ते-बढ़तेइतनेबढ़तेहैकिपूरेगोलहोजातेहैं।

व्याकरण

सर्वनाम

जिनशब्दोंकाप्रयोगसंज्ञाकेस्थानपरकियाजाताहै, उन्हेंसर्वनामकहतेहै।

सरलशब्दोंमें- सर्व क्षसबज्ञ नामों क्षसंज्ञाओंज्ञ केबदलेजोशब्दआतेहै, उन्हें 'सर्वनाम' कहतेहैं।

हिंदीमेंकुल ऋऋ मूलसर्वनामहोतेहैं :- मैं , तू , यह , वह , आप , जो , सो , कौन , क्या , कोई , कुछआदि।

सर्वनामकेभेद-

पुरुषवाचकसर्वनाम ,संबंधवाचकसर्वनाम , निश्चयवाचकसर्वनाम
अनिश्चयवाचकसर्वनाम , संबंधवाचकसर्वनाम , प्रश्नवाचकसर्वनाम , निजवाचकसर्वनाम

स्वाध्याय

क्षऋज्ञ सीतानेगीतासेकहा ,------------तुम्हेपुस्तकदूंगी।

क्षटज्ञ सोहनएकअच्छाविद्यार्थीहै--------रोजस्कूलजाताहै।

क्षथज्ञ राम ,मोहनकेसाथ---------घरगया।

लेखन-भाग

क्षऋज्ञ आपकीखोईहुईपुस्तककिसीअपरिचितद्वारालौटाएजानेपरआभारव्यक्तकरतेहुएपत्रलिखिए।

धऋ, जीटीबीनगर,
दिल्ली।

दिनांक धट अप्रैल, धएश्श

आदरणीयकैलाशमिश्राजी,
नमस्कार ढ

कलमुझेडाकसेएकपार्सलमिला।पार्सलखोलनेपरमुझेयहदेखकरअत्यन्तआश्चर्यहुआसाथहीप्रसन्नताभीहुई किउसमेंमेरीखोईहुईवहीपुस्तकमौजूदथी, जिसकेलिएमैंकाफीपरेशानथा।पहलेतोमैंविश्वासहीनहींकरपायाकिवर्तमानयुगमेंभीकोईव्यक्तिइतनाभला होसकताहैं, जोडाक-व्ययस्वयंदेकरदूसरोंकीखोईवस्तुलौटानेकाकष्टकरे।मैंआपकाहार्दिकधन्यवादकरताहूँ।यहपुस्तकबाजारमें आसानीसेउपलब्धनहींहोतीतथामेरेलिएयहएकअमूल्यवस्तुहैं।आपनेपुस्तकलौटाकरमुझपरबहुतबड़ाउपकारकियाहैं।इसकेलिएमैंहमेशाआपकाआभारीरहूँगा।

एकबारपुनःमैंआपकोधन्यवादकरताहूँ।

आपकाशुभाकांक्षी,
इन्द्रमोहन

पाठ-1 अवधपुरी के राम

शब्दार्थ-

१ - भव्य - शानदार
२- विपन्नता -गरीबी
३ -वंशज - कुल के
४ -कुशाग्र - तेज बुद्धि वाला
५ -खिन्न - उदास
६ -मंत्रोच्चार - मंत्रो को बोलना
७ - अनुष्ठान - धार्मिक कार्य
८ -अविलंब - बिना देर किये
९ - नितांत - बिल्कुल

प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

१-अयोध्या किस राज्य की राजधानी थी ?

उत्तर-अयोध्या कौशल राज्य की राजधानी थी ।

२ -राजा दशरथ की कितनी रानियाँथी ?

उत्तर-राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी।कौशल्या ,कैकयी,सुमित्रा।

३-राजा दशरथ के कितने पुत्र थे ?

उत्तर- राजा दशरथ के चार पुत्र थे। राम,लक्ष्मण,भरत,शत्रुघ्न।

४-राजा दशरथ राम से अधिक प्रेम क्यों करते थे?

उत्तर- राम राजा दशरथ के बड़े पुत्र थे,उनमें सभी मानवीय गुण थे।इसलिए राजा दशरथ राम से अधिक प्रेम करते थे।

५-विश्वामित्र राजा दशरथ के पास क्यों आये थे ?

उत्तर-विश्वामित्र सिदधि के लिए यज्ञ कर रहे थे।दो राक्षस उसमे बाधा डाल रहे थे।उन राक्षसों को मारने के लिए राम की जरुरत थी इसलिए वे दशरथ के पास आये।

पाठ-२ जंगल और जनकपुर

शब्दार्थ-

१-बस्ती :-गाँव २- प्रहार :- आक्रमण
३ -अंतर :- फर्क ४ - आश्वस्त :- भरोसा
५- प्रत्यंचा :- धनुष पर चढ़ाने वाली डोरी ६- अभिनंदनः- स्वागत
७- तूणीर :- तरकश ८- हतप्रभ :- हैरान

प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

१-वन मे विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को कौन सी विधाएँ सिखाई ?

उत्तर-विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बला और अतिबला नाम की विधाएँ सिखाई ।

२-ताड़का वध से प्रसन्न विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को क्या दिया ?

उत्तर- विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को सौ नए अस्त्र-शस्त्र दिए और अनेक प्रयोग की विधि बताई।

३-मारिच क्योंक्रोधित था?

उत्तर-राम ने मारिच की माँ ताड़का का वध किया था इसलिए वह क्रोधित था।

४-राजा जनक की क्या प्रतिज्ञा थी ?

उत्तर-राजा जनक की प्रतिज्ञा थी कि वे अपनी पुत्री सीता का विवाह उसी राजकुमार से करेंगे जो विशाल शिव धनुस पर प्रत्यंचा चढ़ा सकेगा।

पाठ-5 अक्षरों का महत्व

(लेखक-श्री गणाकर मुले)

शब्दार्थ-

1) तादाद-संख्या

2) मूल - जड़,अधार

3) अनादि- जिसका आरंभ न हो

4) अस्तित्व- सत्ता

5) वृत्त- गोल घेरा

6) कौमा - जाति

7) सभ्य-शिष्ट

8) प्रागैतिहासिक-इतिहास से पहले का काल

9) ज़रिए-के दवारा

10) सिलसिला-क्रम

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) जब से मनुष्य ने लिखना शुरु किया,तब से किसका आरंभ हुआ?

-जब से मनुष्य ने लिखना शुरु किया,तब से इतिहास का आरंभ हुआ ।

2) 'प्रागैतिहासिक काल' का अर्थ क्या है?

-इतिहास के पहले के काल को प्रागैतिहासिक काल कहते हैं।

3) हमारी धरती कितने वर्षो तक जीव-जंतुओ से खाली रही?

- हमारी धरती लगभग दो-तीन अरब साल तक जीव-जंतुओ से खाली रही ।

4) हमारी पृथ्वी लगभग कितने वर्ष पुरानी है?

- हमारी पृथ्वी लगभग पाँच अरब वर्ष पुरानी है ।

5) विभिन्न प्रकार की लिपियों का जन्म किससे हुआ है?

- विभिन्न प्रकार की लिपियों का जन्म अक्षरों से हुआ है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) मनुष्य कब सभ्य कहा जाने लगा?

-आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को सभ्य कहा जाने लगा।

2) अक्षरो का क्या महत्व है?

-अक्षर लिखित भाषा की बुनियाद है। ये विचारों और ज्ञान के प्रसार में मुख्य भूमिका निभाते है। अक्षरों के माध्यम से ही हम देश दुनिया को खबरे और जानकारी पढ़ पाते है।इस प्रकार अक्षर बहुत महत्वपूर्ण है।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) धरती पर मानव के उदभव और विकास के बारे में लिखो?

-धरती पर मानव ने करीब पाँच लाख साल पहले जन्म लिया।

-लगभग दस हजार साल पहले उसने गाँवो में बसना और खेती करना शुरू किया।

-पत्थरोंके औजारों की जगह ताँबे व काँसे के औजार बनाए जाने लगे।

-करीब छह हजार साल पहले अक्षरोंकी खोज हुई।

व्याकरण

विशेषण-संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता प्रकट करने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।जैसे-जोल,छोटा,नए,लाल।

विशेषण के भेद-

1-गुणवाचक विशेषण-पीली,ईमानदार,ऊँची

2-संख्यावाचक विशेषण-दो,पाँचवीं,सातों

3-परिमाणवाचक विशेषण-थोड़ा, दो किलो,एक लीटर

4-सार्वनामिक विशेषण-उस,वह,यह

लेखन-भाग

अनुच्छेद-अभ्यास का महत्त्व

यदिनिरंतरअभ्यासकियाजाए, तोकिसीभीकठिनकार्यकोकियाजासकताहै।ईश्वरनेसभीमनुष्योंकोबुद्धिदीहै।उसबुद्धिकाइस्तेमालतथाअभ्यासकरकेमनुष्यकुछभीसीखसकताहै।अर्जुनतथाएकलव्यनेनिरंतरअभ्यासकरकेधनुर्विद्यामेंनिपुणताप्राप्तकी।उसीप्रकारवरदराजने, जोकिएकमंदबुद्धिबालकथा, निरंतरअभ्यासद्वाराविद्याप्राप्तकीऔरग्रंथोंकीरचनाकी।उन्हींपरएकप्रसिद्धकहावतबनी -

''करत-करतअभ्यासके, जड़मतिहोतसुजान।
रसरिआवतजाततें, सिलपरपरतनिसान।।''

यानीजिसप्रकाररस्सीकीरगड़सेकठोरपत्थरपरभीनिशानबनजातेहैं, उसीप्रकारनिरंतरअभ्याससेमूर्खव्यक्तिभीविद्वानबनसकताहै।यदिविद्यार्थीप्रत्येकविषयकानिरंतरअभ्यासकरें, तोउन्हेंकोईभीविषयकठिननहींलगेगाऔरवेसरलतासेउसविषयमेंकुशलताप्राप्तकरसकेंगे।

कहाभीगयाहैकि, "परिश्रमहीसफलताकीकुँजीहै।"

गतिविधि-औजारों के चित्र बनाओ।

पाठ-3 दो वरदान

शब्दार्थ-

1) शिथिल-कमजोर
2) षड़यंत्र-किसी के खिलाफ बुरी योजना बनाना
3) तुमलध्वनि-तेज़ आवाज़
4) अव्यक्त-अप्रकट
5) कोपभवन-रूठकर बैठने का कारण
6) प्रतिहारी-दासी
7) संकल्प-पक्का इरादा

श्न-ऋ राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा क्या थी?

उत्तर- राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा थी कि राम का राज्याभिषेक हो।

प्रश्न-ध राम के अयोध्या वापस लौटने पर राजा दशरथ ने क्या किया?

उत्तर- राम के अयोध्या वापस लौटते ही राजा दशरथ ने राम को राज - काज में शामिल करना शुरू कर दिया।

प्रश्न-ट राजा दशरथ ने दरबार में क्या कहा?

उत्तर - राजा दशरथ ने दरबार में कहा कि वह अब बुढे हो गए हैं और वह सारा कार्यभार राम को सौंप देना चाहते हैं । अगर सभी सहमत हो तो राम को युवराज का पद देना चाहते हैं और अगर किसी की राय भिन्न है तो वह विचार करने के लिए भी तैयार हैं ।

प्रश्न-थ दरबार में सभा की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर - सभा ने तुमुल ध्वनि से राजा दशरथ के प्रस्ताव का स्वागत किया ।

प्रश्न-त्र भरत और शत्रुघ्न कहाँ गए थे?

उत्तर - भरत और शत्रुघ्न अपने नाना केकयराज के यहाँ गए हुए थे ।

पाठ-4 राम का वन गमन

शब्दार्थ-

1) राज्याभिषेक-राजतिलक
2) व्यस्तता-काम मेंलगे रहना
3) क्षीण-कमजोर
4) विस्नित-आश्चर्यचकित
5) राजाज्ञा-राजा का आदेश
6) उल्लंघन-इंकार
7) धिक्कार-कोसना
8) वचनबध्द-वचन से बंधा होना
9) प्रतिवाद-विशेष
10) ओझल होना-नजर न आना

श्न-ऋ राम ने वन गमन को क्या कहा?

उत्तर- राम ने वन गमन को भाग्यवश आया उलटफेर कहा ।

प्रश्न-ध लक्ष्मण किस बात से सहमत नहीं थे और वह उसे क्या समझते थे?

उत्तर-

लक्ष्मण इस बात से सहमत नहीं थे कि वन गमन भाग्यवश आया उलटफेर है। वह इसे कायरों का जीवन मानते थे।

प्रश्न-ट राम ने क्या कहकर माता कौशल्या को साथ वन जाने से मना कर दिया?

उत्तर -

राम ने यह कहकर माता कौशल्या को साथ वन जाने से मना कर दिया कि वृद्ध पिता को उनके सहारे की ज्यादा आवश्यकता है।

प्रश्न-थ राम ने सीता से क्या आग्रह किया?

उत्तर - राम ने सीता से अपने माता पिता की सेवा करने का आग्रह किया।

प्रश्न-त्र सीता क्यों व्याकुल हो गयीं?

उत्तर - राम ने जब वन जाने के लिए सीता से विदा माँगी तो वह व्याकुल हो गयीं।

प्रश्न-घ राम का निर्णय सुनकर सीता ने उनके सम्मुख क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर - राम नहीं माने तो सीता ने उनके साथ जंगल जाने का प्रस्ताव रखा।

पाठ-6 पार नज़र के

शब्दार्थ-

1) सुरंगनुमा-सुरंग के समान,गुफा जैसा
2) सिक्योरिटी-सुरक्षा
3) चुनिंदा-चुना हुआ
4) मुमकिन-संभव
5) लाज़िमी-फ़र्ज
6) कंट्रोलरूम-नियंत्रण कक्ष

7) ऊर्जा-शक्ति

8) उत्सुक-तत्पर

9) यान-वाहन

10) मंशा-इच्छा

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-ॠ -छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

ઉ-छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर बने भूमिगत घरों में रहता था।

प्र-2-कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा થા ઔર ક્યો. ?

ઉ-अंतरिक्ष यान को नासा (नेशनल एअरोनोटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने भेजा था कि वह मंगल की मिट्टी के नमूनों को एकत्र करके पृथ्वी पर जांच के लिए मंगवा सके।

प्र-3-सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?

उ- सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग चंद चुनिंदा लोग करते थे?

प्र-4-छोटु के पापा सुरंग से होकर कहाँ जाते थे?

उ- छोटु के पापा सुरंग से होकर काम पर जाया करते थे?

लघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-1-छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

]-छोटू को या फिर किसी भी अन्य व्यक्ति को उस सुरंग में जाने की इजाज़त नहीं थी क्योंकि उस सुरंग से होता हुआ ज़मीन पर जाने का एक रास्ता था, आम आदमी के लिए इस रास्ते से जाने की मनाही थी।

प्र-2-छोटु ने सुरंग में प्रवेश करने के लिए क्या किया?

उ- छोटु ने सुरंग में पवेश करने के लिए खाँचे में कार्ड डाला।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्रश्न-ऋ-कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

]-छोटू जब कंट्रोल रूम गया तो उसने देखा सब लोग मंगल पर उतरे हुए यान की वजह से परेशान थे। जब सबका ध्यान स्क्रीन पर था तो उसका ध्यान कॉन्सोल पैनल पर था जिसके बटनों को देखकर वह स्वयं को रोक न सका और बटन दबाने की हरकत कर दी।

प्रश्न-2-इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

]-मंगल पर पहले आम जन-जीवन हुआ करता था। परन्तु सूरज में हुए परिवर्तन के कारण वहाँ के वातावरण में बदलाव आने लगा और इसी तरह प्रकृति में भी बदलाव आने लगा जिसकी वजह से पशु-पक्षी, पेड़-पौधें और अन्य जीव उस बदलाव को सहने में असमर्थ हो गए और धीरे-धीरे मरने लगे जिससे वहाँ का सारा जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया और कुछ भी न बच सका।

व्याकरण

क्रिया-जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए,उसे क्रिया कहते हैं।

क्रिया के भेद-

सकर्मक क्रिया-जिस वाक्य की क्रिया को कर्म की आवश्यकता होती है,उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।-मानवी ने निशा को पुस्तक दी।

अकर्मक क्रिया- जिस वाक्य की क्रिया को कर्म की आवश्यकता नहीं होती,उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।-बस चलती है।

लेखन -भाग

अनुच्छेद – ' परिश्रम ही सफलता की कुँजी है '

रुपरेखा : परिश्रम क्या है - जीवन में परिश्रम का योगदान - परिश्रम के लाभ परिश्रम जीवन का एक ऐसा मूल मंत्र है जो मनुष्य को प्रगति की राह पर लेजाता है। वास्तविकता और कठोर परिश्रम के माध्यम से ही मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त होती है। सुनियोजित परिश्रम करके मनुष्य किसी भी उद्देश्य या लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। परिश्रम का महत्व सिर्फ व्यक्तिगत विकास से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांसारिक और राष्ट्र एवं जाति की उन्नति में भी योगदान देता है। परिश्रम छोटा बड़ा नहीं होता जैसे किसान का परिश्रम किसी वैज्ञानिक के परिश्रम से कम नहीं आँका जा सकता, क्योंकि दोनों का परिश्रम अतुल्य है। दोनों देश और अपनी उन्नति में सहायक सिद्ध होते हैं। जो मनुष्य जीवन निर्माण में परिश्रम की भूमिका को भलीअधिक से दूसरों वह हैं समझते भांति- सबल सिद्ध होते हैं। नगरों, देश और दुनिया में लगातार होता विकास मनुष्य के अथक परिश्रम का प्रतीक है। जो मनुष्य परिश्रमी होते हैं वह दूसरों से कहीं आगे निकल जाते हैं वह अपने क्षेत्र में नाम कमा देश में ही नहीं बलिक विश्व भर में ख्याति प्राप्त करते हैं। ऐसे मनुष्य चिंतामुक्त और हृष्ट उपभोग का सुखों के जीवन कर रह पुष्ट- हैं। करते

गतिविधि-सौर्यमंडल का चित्र बनाओ।

पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)

(साहिर लुधियानवी)

शब्दार्थ-

1) परबत-पर्वत
2) सीस-शीश
3) फौलादी-मजबूत
4) लेख-भाग्य का लिखा
5) गैरों-दूसरों
6) मंजिले-ध्येय,लक्ष्य

7) नेक-भला

8) कतरा-बूँद

9) ज़र्रा-कण

10) इंसाँ-आदमी, इनसान

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो-

प्र-1-यह गीत किसको संबोधित है?

उ-यह गीत मज़दूरों को संबोधित है।

प्र-2-हमें किससे नहीं डरना चाहिए?

उ- हमें परिश्रम करने स नहीं डरना चाहिए।

प्र-3-गीतकार ने मंजिल पाने के लिए कैसा रास्ता चुनने की शिक्षा दी है?

उ- गीतकार ने मंजिल पाने के लिए भला रास्ता चुनने की शिक्षा दी है?

प्र-4-एक-से-एक मिलकर राई किसका रूप ले लेती हैं?

उ- एक-से-एक मिलकर राई पर्वत का रूप ले लेती हैं?

लघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प-1-इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की ज़िंदगी में घटते हुए देख सकते हो?

उ-गीत के प्रथम चरण की पंक्तियों को हम अपने जीवन में घटित होते हुए देख सकते हैं लेखक ने इन पंक्तियों में सब लोगों और मज़दूरों को सम्बोधित करते हुए इस प्रकार कहा है- अगर हम अपने जीवन में कंधे से कंधा मिलाकर चलें तो जीवन की हर कठिनाई मामूली प्रतीत होगी।

प्र-2-ञसागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकायाॅ- साहिर ने ऐसा क्यों कहा है? लिखो।

उञसाहिरजी ने इन पंक्तियों के माध्यम से मनुष्यों के साहस व हिम्मत को दर्शाया है। उनके अनुसार यदि मनुष्य ने मुश्किल कार्यों को सिर्फ इसलिए छोड़ दिया होता कि वो असंभव थे, तो कभी मनुष्य ने विजय प्राप्त नहीं की होती।आज उसकी हिम्मत से ही अंसभव कार्य संभव हो सके हैं।सागर मेंपुलों का निर्माण, जहाज़ों का निर्माण, पर्वतों को काटकर मार्ग बनाना, चाँद पर जाना, दुर्गम स्थानों पर ट्रेनों के लिए मार्ग बनाना मनुष्य की हिम्मत, मेहनत व लगन का ही परिणाम है।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-1-गीत में सीने और बाँह को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उ-सीने को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि सीना मनुष्य की मज़बूत इच्छाशक्ति को दिखाता है। जब वह मेहनत करता है तो सारी मुसीबत पहले इसी सीने पर लेता है और मुसीबतों को अडिग होकर सहता है। बाँहों को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि इन्हीं बाँहों के सहारे वो मुश्किल से मुश्किल कार्यों को करने में सफल होता है। बाँहों के द्वारा ही उसने पहाड़ों के सीने में सुराख किए हैं और रास्ते बनाए हैं, इन्हीं बाँहों ने फ़ौलाद जैसे पहाड़ों को तोड़ दिया; जो उसकी असीम कार्यक्षमता की ओर इशारा करते हैं।

व्याकरण

काल-क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले,उसे काल कहते हैं।

काल के भेद-

भूतकाल-(बीता हुआ समय)- था,थी,थे

वर्तमान काल-(चल रहा समय)- रही है,

भविष्यकाल-(आने वाला समय)-जाएगा,होगा,करेगा

लेखन-भाग

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना लिखिए-

पुना इंटरनेशनल स्कूल

सूचना

दिनाक-

प्रिय छात्रों

20 दिसंबर,2019 को विदयालय के खेल मैदान में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का अयोजन किया जा रहा है। इस खेल प्रतियोगिता में कबडडी,खो-खो,बैडमिंटन,फुटबॉल जैसे खेलों को सम्मिलित किया गया है।प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक विदयार्थी दस दिसंबर,2019 तक अपना नाम सूची में दर्ज करवा दें।

रोहित कुमार

सचिव,खेल विभाग

गतिविधि-कविता चार्ट पेपर पर लिखिए-

पाठ-४ ऐसे-ऐसे

(श्री विष्णु प्रभाकर)

शब्दार्थ

१- अंट-शंट -ऐसी वैसी

२- चकित -हैरान

३- रूआँसा -रोनीसूरतवाला

४- गुलजार -रोशन

५- बला - मुसीबत

६- भला-चंगा -ठीक-ठाक

७- धमा-चौकड़ी-उछल-कूद

८- छका देना- परेशान-करना

९- अटटाहास -जोरकी हँसी

१०- छकाना -मूर्खबनाना

अति लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ हर्ष से कौन उछल पड़ा?

उ-१ वैद्यजी उछल पड़े।

प्र-२ मामूली बात कौन-सीहै?

उ-२ पुड़ियाभेजताहूँमामूली बात है।

प्र-३ मोहनकिसदर्द से बेचैनहै?

उ-३ मोहन पेट दर्दबेचैनहै।

लघु-प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ माँ मोहन की कमर सहलाती हुई क्या कहती है?

उ-१ माँ कहती है कि दोपहर तक सब ठीक था फिरना जाने क्या हो गया है।यह ऐसे लेटने वाला नही है हर वक्त घर सिरपर उठाए रहताहै।

प्र-२ बैध जी क्या आश्वासन देते है ?

उ-२ बैध जी आश्वासन देते है कि दवा लेने पर दो-तीन दस्त होगें फिर पेट का दर्द ऐसे-ऐसे बिल्कुल ठीक हो जाएगा।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ मास्टर जीमोहन से स्कूलकेकामोके बारे में क्यों पूछते है?

उ-१ मास्टर जीसमझ गए किमोहन ने स्कूल का कामपुरानहीं कियाहै।इसलिए वह पेट दर्द का बहानाकररहाहै।इसलिए वे उसे स्कूलकेकामों के बारे में पूछते है।

प्र-२ हर्ष से कौन उछल पड़ाऔरक्यों?

उ-२ हर्ष से बैध जी उछल पड़ेक्यों कि बैध जीसमझ गए थे किमोहन का दर्दमामूलीहै उसके लिए वहपुड़ियाभेजेंगे।

प्र-३ मास्टर जी ने यहक्यों कहा किमोहनकीदवावैदयऔर ड़ाक्टर के पास नहीं है?

उ-३ मास्टर जी ने यह इसलिए कहा किवोसमझ गए थे किअक्सर इस उम्र केलड़कों को यह पेट दर्द हो जाताहैजब उनकास्कूल का कार्य अधूरा रह जाताहै। जिसका इलाज ड़ाक्टर यावैदयके पास नहीहोता।

६ :व्याकरण

प्रश्नःलिंग किसे कहते हैं

उत्तर :जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति की जाति का पता चलता है उसे लिंग कहते हैं। इससे यह पता चलता है की वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का है।

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
भाई	बहन
माता	पिता
गायक	गायिका
बालक	बालिका
अध्यापक	अध्यापिका
नर	नारी
वर	वधु
पुत्र	पुत्री

पड़ोस	पड़ोसिन
नाग	नागिन
सिंह	सिंहनी
पति	पत्नी
दुल्हा	दुल्हन
शिक्षक	शिक्षिका

स्वाध्यायः लिंग को पहचान कर उस पर रेखा खिचिए :

१:हाथी- स्त्रीलिंग पुल्लिग
२:बुढ़िया- स्त्रीलिंग पुल्लिग
३:सुनारन्-स्त्रीलिंग पुल्लिग
४:ससुर- स्त्रीलिंग पुल्लिग
५:नाती-स्त्रीलिंग पुल्लिग
६:बंदर -स्त्रीलिंग पुल्लिग
७:माली-स्त्रीलिंग पुल्लिग
८:चींटा-स्त्रीलिंग पुल्लिग
९:दुल्हन-स्त्रीलिंग पुल्लिग
१०:सिंह-स्त्रीलिंग पुल्लिग

लेखन-भाग

संवाद लेखन- सब्जीवाले और ग्राहक का वार्तालाप -

ग्राहक- ये मटर कैसे दिए है भाई ?

सब्जीवाला- ले लो बाबू जी ! बहुत अच्छे मटर है, एकदम ताजा।

ग्राहक- भाव तो बताओ।

सब्जीवाला- बेचे तो पंद्रह रुपये किलो हैं पर आपसे बारह रुपये ही लेंगे।

ग्राहक- बहुत महँगे है भाई!

सब्जीवाला- क्या बताएँ बाबूजी ! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।

ग्राहक- फिर भी .... । कुछ तो कम करो।

सब्जीवाला- आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी ! कहिए कितने तोल दूँ?

ग्राहक- एक किलो मटर दे दो। और ...... एक किलो आलू भी।

सब्जीवाला- टमाटर भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।

ग्राहक- कैसे?

सब्जीवाला- पाँच रुपये किलो दे रहा हूँ। माल लुटा दिया बाबू जी।

ग्राहक- अच्छा ! दे दो आधा किलो टमाटर भी। ..... और दो नींबू भी डाल देना।

सब्जीवाला- यह लो बाबू जी। धनिया और हरी मिर्च भी रख दी है।

ग्राहक- कितने पैसे हुए?

सब्जीवाला- सिर्फ इक्कीस रुपये।

ग्राहक- लो भाई पैसे।

गतिविधि-अपने बचपन की एक शरारत लिखिए।

पाठ-5 चित्रकूट में भरत

शब्दार्थ-

1) अनभिज्ञ-अनजान

2) अनिष्ट-अमंगल

3) विलाप-दुखी होना

4) निष्कंटक-बिना किसी बाधा के

5) भ्रष्ट-खराब

6) अक्षम्य-जो क्षमा ना किया जाए

7) ग्लानि-दुखभरा पछतावा

8) नैसर्गिक-सहन

9) उत्कंठा-बैचेनी

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-ऋ अयोध्या की सेना का क्या नाम था?

उत्तर- अयोध्या की सेना का चतुरंगिणी नाम था ।

प्रश्न-ध गंगा यमुना के संगम पर किसका आश्रम था?

उत्तर- गंगा यमुना के संगम पर महर्षि भरद्वाज का आश्रम था ।

प्रश्न-ट राम को वापस लाने वन कौन-कौन गए?

उत्तर - राम को वापस लाने वन भरत, मंत्रिगण, सभासद, गुरु वशिष्ठ और नगरवासी गए ।

प्रश्न-थ राम महर्षि भरद्वाज के आश्रम में क्यों नहीं रहना चाहते थे?

उत्तर - राम महर्षि भरद्वाज के आश्रम में नहीं रहना चाहते थे ताकि महर्षि को असुविधा ना हो ।

प्रश्न-त्र पर्णकुटी कहाँ बनाई गई?

उत्तर - पर्णकुटी एक पहाड़ी पर बनाई गई ।

प्रश्न-घ निषादराज गुह ने गंगा पार करने के लिए कितनी नाव जुटायी?

उत्तर - निषादराज गुह ने गंगा पार करने के लिए पाँच सौ नाव जुटायी ।

पाठ-6 दंडक वन में राम

शब्दार्थ-

1) शिलाखंड-पत्थर का टुकड़ा

2) सुरम्य- मनोहर

3) परिपूर्ण-भरा-पूरा

4) विघ्न-बाधा

5) सौंदर्य-शोभा

6) विकृत-डरावना

7) आसक्त-मोहित

8) पिछलग्गु-पीछे-पीछे चलने वाला

9) निलक्षण-अनोखा

10) आग्रह-निवेदन

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-ऋ चित्रकूट और अयोध्या में कितनी दूरी थी?

उत्तर- चित्रकूट अयोध्या से चार दिन की दूरी पर था ।

प्रश्न-ध राम चित्रकूट से दूर क्यों चले जाना चाहते थे?

उत्तर- राम चित्रकूट से दूर इसलिए चले जाना चाहते थे क्योंकि चित्रकूट में लोग राम से राय माँगने आया करते थे जो कि राम को राजकाज में हस्तक्षेप की भाँती लगता था । इसका एक कारण यह भी था कि कुछ मायावी राक्षस जब तब वन में आ धमकते थे और यज्ञ में बाधा डालते थे ।

प्रश्न-ट दंडक वन का वर्णन कीजिए ।

उत्तर- दंडकारण्य एक घना जंगल था जो की पशु पक्षियों से परिपूर्ण था । इस वन में अनेक तपस्वियों के आश्रम थे और यहाँ कुछ मायावी राक्षसों का भी वास था ।

प्रश्न-थ राक्षस ऋषि मुनियों को किस प्रकार कष्ट देते थे?

उत्तर- राक्षस ऋषि मुनियों के अनुष्ठानों में विघ्न डालकर कष्ट देते थे ।

प्रश्न-त्र सीता की दैत्यों के सहांर के संबंध में क्या सोच थी?

उत्तर- सीता चाहती थीं कि राम अकारण राक्षसों का वध न करें । उन्हें न मारें जिन्होंने उनका कोई अहित नहीं किया है ।